एक नजर में

121 पौधों का रोपण किया

उज्जैन। ग्राम बोड़ानी की पहाड़ी पर स्थित खाटू श्याम मंदिर के प्रांगण में तरुपुत्र, तरुमित्र यज्ञ का आयोजन गायत्री महायज्ञ के साथ सानंद सम्पन्न हुआ। पर्यावरण संतुलन की दिशा में अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वार संचालित गतिविधियों की जानकारी प्रदान करते हुए उपजोन समन्वयक महेश आचार्य ने बताया कि गायत्री परिवार वर्ष 2012 से सतत् वृक्ष गंगा अभियान, जलस्रोतों के संरक्षण के साथ गंगा, नर्मदा आदि नदियों के शुद्धिकरण एवं स्वच्छ, निर्मल व आदर्श ग्रामों की दिशा में सराहनीय कार्य कर रहा है। प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में पौधा रोपण के साथ-साथ अब तक मध्य प्रदेश की 300 वीरान पहाडियों को हरा-भरा बनाने का उल्लेखनीय कार्य गायत्री परिवार ने किया है, जिनमें लगभग 80 प्रतिशत पौधे लहलहाते हुए वृक्षों का स्वरूप प्राप्त कर चुके है। भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला समन्वयक एवं वरिष्ठ परिजन श्यामलाल जोशी ने मानव जीवन में वृक्षों की महती भूमिका की चर्चा करते हुए कहा कि वृक्ष वर्षा में सहायक होकर हमें प्राण वायु आक्सीन प्रदान करते है तथा एक मनुष्य अपने जीवन काल में छह वृक्षों द्वारा प्रदत्त की गई आक्सीन की मात्रा के बराबर प्राणवायु आक्सीजन ग्रहण करता है, अत: प्रत्येक व्यक्ति को न्यूनतम छह वृक्ष अपने जीवन काल में अवश्य लगाना चाहिए। तरुपुत्र, तरुमित्र यज्ञ के माध्यम से जिला समन्वयक नरेन्द्र सिंह सिकरवार के नेतृत्व में पहाड़ी पर ग्राम पंचायत बोड़ानी के सरपंच भगवान सिंह टंकारिया, संतोष पाटीदार, हाकम सिंह आंजना, कमल सिंह गौ सेवक बोडानी धाम एवं खाटू श्याम समिति के पदाधिकरियों व ग्रामवासियों के सहयोग 121 पौधों का रोपण कर देखभाल व साल-संभाल का संकल्प सभी ने लिया। इस अवसर पर ग्राम बोडानी व आसपास के क्षेत्रों से बडी संख्या में भाई, बहनों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। गायत्री परिवार उज्जैन के सुभाष गुप्ता, एमएल रणधवल, केसी व्यास, उत्तम सिंह राजपूत, नारायण वर्मा आदि ने सराहनीय सहयोग प्रदान किया। ग्राम बोड़ानी स्थित शासकीय माध्यमिक शाला का भ्रमण भी गायत्री परिजनों ने किया, जहाँ सुभाष गुप्ता ने बच्चों व स्टॉफ को नशे से होने वाले नुकसान की जानकारी देते हुए नशे से दूर रहने का संकल्प दिलाया। तरुपुत्र, तरुमित्र यज्ञ के साथ गायत्री यज्ञ कर्मकांड का संचालन महेश आचार्य व श्याम लाल जोशी ने किया। सुमधुर प्रज्ञा गीतों की प्रस्तुति पुरूषोतम साहू ने एवं आभार प्रदर्शन जिला समन्वयक नरेन्द्र सिंह सिकरवार ने माना।

नि :शुल्क यात्रा का द्वितीय पड़ाव पूर्ण

उज्जैन। श्रावण मास के द्वितीय रविवार को नि :शुल्क धार्मिक यात्रा माता बहनों को करवायी गयी। यात्रा संयोजक ललित लुल्ला ने बताया कि शशांक चंदेरिया की अगुवाई में तृतीय वर्ष के लिये इस यात्रा में अतिथि रूप में निगम सभापति कलावती यादव टावर चौक पर अतिथि रूप में उपस्थित रही तथा मातृशक्तियों से भेंट कर उन्हें यात्रा के लिए प्रस्थान करवाया। यात्रा बस का पूजन कलावती यादव ने किया। इस अवसर पर यात्रा के प्रेरणा स्त्रोत महेश परियानी, युवा समाज सेवी अभय यादव, युवा नेता आनंद खींची उपस्थित थे। आगामी यात्रा 27 जलाई को सुबह 8 बजे बस द्वारा 84 महादेव के तीसरे पडाव के लिए प्रस्थान करेगी। इस आयोजन में 15 बसें, 10 मैजिक वाहन सम्मिलित रहे। इस अवसर पर गोपाल बलवानी, लोकेश आडवाणी, नीतिन वासवानी, एड. रवि गुप्ता, मंडल अध्यक्ष गजेंद्र खत्री, गोल्डमेन रोशन यादव, भानु ठाकुर, पार्षद प्रतिनिधि करण परमार, आशीष परमार, हितेश तिवारी, दीपक पांचाल, आकाश सोनी, नीतिन राठौर, सन्नी सोनग्रह. दीपक पंवार, लोकेश सोनग्रह, गौरव पंवार, हितेश गायकवाड, आदि समेत अनेक जन मौजूद थे। इस यात्रा में विभिन्न सस्थओ के प्रतिनिधिगणों, ने भाग लिया। जिसमें प्रजापति समाज, राठौर समाज, सोनी समाज, सिंधी समाज आदि का विशेष सहयोग रहा।

अभिनंन्दन के साथ विदाई दी

उज्जैन। नगर में पदस्थ रहे सहायक जिला वियोजन अधिकारी मुकेश कुंहारे का बड़वानी,अमित छारी का रतलाम, अजय वर्मा का नीमच,भारतसिंह खरे का मंदसौर, रेवतसिंह ठाकुर का रतलाम तथा कमलेश श्रीवास का मंदसौर स्थानांतरण पर प्रशिक्षित मध्यस्थ हरदयालसिंह एडवोकेट, सीनियर एडवोकेट वीरेंन्द्र शर्मा, प्रभारी उपनिदेशक अभियोजन राजेंद्र खांण्डेगर तथा अभियोजन के मीडिया प्रभारी कुलदीपसिंह भदौरिया, पं. दिनेशचंन्द्र पाण्डया, पं .योगेश व्यास एवं कर्णसिंह एडवोकेट आदि ने स्थानांतरित अधिकारियों का साफा बांधकर, माला, पुष्पमाला, पुष्पगुच्छ तथा सरोपा से अभिनंदन कर बिदाई दी। इस अवसर पर स्थानांतरित अधिकारियों ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षास्थली में आकर हमें बहुत कुछ सीखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है जो हमारे जीवन की अमूल्य निधि। इस अवसर पर अभियोजन अधिकारियों सहित अभिभाषाकगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

आवेदन की अंतिम तिथि 31जुलाई

उज्जैन। भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) द्वारा प्रधानमंत्री के लक्ष्य विकसित भारत श्र2047 के निर्माण में देश के नवप्रवर्तकों के योगदान को बढ़ावा देने के लिए इनोवेटिव स्कीम के अंतर्गत इन्क्यूबेशन में एमएसएमई आइडिया हैकथॉन 5 .0 का आयोजन किया जा रहा है। इस हैकथॉन में भाग लेने की अंतिम तिथि को 31 जुलाई 2025 तक बढ़ाया गया है। एमएसएमई मंत्रालय से ही अनुमोदित एमआईटी बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर के नोडल प्रभारी प्रो. मनीष बर्वे और आईआईसी सह-संयोजक प्रो. मोहित पंत ने बताया एमएसएमई के पोर्टल पर जाकर क्षेत्र के विद्यार्थी, इनोवेटर एवं उद्यमी (आयु वर्ग 18 से 60 वर्ष) आनलाईन रजिस्ट्रेशन करके महाकाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, उज्जैन का होस्ट इंस्टीट्यूट चुनाव करते हुए अपना इनोवेटिव आइडिया सबमिट कर सकते है। इस स्कीम के तहत चयनित हुए प्रत्येक आइडिया को अधिकतम रुपए 15 लाख की वित्तीय सहायता प्रोटोटाइप डेवलप करने हेतु एमएसएमई मंत्रालय द्वारा इन्क्यूबेशन सेंटर के माध्यम से दी जाती है। एमआईटी इनक्यूबेशन सेंटर विगत पांच वर्षों से एक सशक्त स्टार्टअप इकोसिस्टम के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और यह मध्य प्रदेश का एकमात्र ऐसा निजी केंद्र है, जिसके आइडियाज पिछले चार वर्षों से लगातार एमएसएमई आइडिया हैकाथॉन में चयनित हो रहे हैं।

अद्भुत अलौकिक अकल्पनीय, महाकाल बाबा ने चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में दिए भक्तों को दर्शन

डमरू बजाते हुए सवारी में शामिल हुए सीएम, डिप्टी सीएम शुक्ल, टेटवाल, विजयवर्गीय ने भी लगाए बाबा महाकाल के जयकारे

उज्जैन। सावन माह में बाबा महाकाल की दूसरी सवारी अपने पूरे ठाट-बाट के साथ सोमवार को निकली तो मार्ग के दोनों छोर पर खड़े श्रद्धालुओं ने जय श्री महाकाल के जयकारे लगाए। भीषण गर्मी के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था इस प्रकार से उमड़ी की सवारी मार्ग में पांव रखने की जगह नहीं थी। बाबा महाकाल की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालु आतुर दिखाई दिए। बाबा महाकाल ने चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में भक्तों को दर्शन दिए। मुख्यमंत्री ने रामघाट पर पाल की पूजन किया।

सोमवार को भीषण गर्मी रही, उसकी वजह से उमस से भी लोग परेशान दिखाई दिए, बावजूद इसके पूरे 6 किलोमीटर सवारी मार्ग में श्रद्धालु डटे रहे। पुलिस ने इस बार जो रिहर्सल की थी उसका परिणाम भी साफ दिखाई दे रहा था। जहां तहां से इस बार कोई घुस नहीं पाया। इधर महाकाल की पालकी सभा मंडप में 3 बजे ही पहुंच गई थी वहीं पालकी सभा मंडप से भी जल्दी निकली। कुल मिलाकर सावन के दूसरे सोमवार पर देशभर के श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दर्शन कर स्वयं को धन्य पाया। मुख्यमंत्री ने सवारी मार्ग पर डमरू बजाकर बाबा श्री महाकाल की सवारी का स्वागत किया। वहीं मुख्यमंत्री ने राम घाट पर सवारी का शिप्रा के जल से पूजन अर्चन किया। वैदिक मंत्रोच्चार और शंखनाद के बीच रामघाट पर हुआ भगवान का पूजन अर्चन जब हुआ तो यह दृश्य बड़ा ही विहंगम रहा। डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को भगवान श्री महाकालेश्वर की दूसरी सवारी के दौरान क्षिप्रा नदी के तट पर भगवान श्री महाकालेश्वर के चंद्रमौलेश्वर स्वरुप में पालकी पहुंचने के बाद क्षिप्रा नदी के जल से उनका पूजन अर्चन किया।

उल्लेखनीय है कि भगवान श्री महाकालेश्वर की दूसरी सवारी के दौरान मुख्यमंत्री की मंशानुरूप रामघाट पर पुलिस बैंड के द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इस दौरान उड़ीसा के जनजातीय कलाकारों के दल के द्वारा शंख हवनी नृत्य और छत्तीसगढ़ के जनजातीय कलाकारों के द्वारा पंथि नृत्य की प्रस्तुति भी दी गई।

द्वारकाधीश मंदिर की प्राचीर से दिया उद्बोधन

बाबा महाकाल की पालकी जब गोपाल मंदिर पर पहुंची। उसके 15 मिनट पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहुंच गए और वह मंदिर की प्राचीन पर कैलाश विजयवर्गीय, गौतम टेटवाल के साथ बैठे। यहां कलेक्टर रोशन कुमार सिंह, एसपी प्रदीप शर्मा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने अपने उत्पादन में रियासत काल से लेकर सिंधिया और प्राचीन परंपरा पर उद्बोधन देते हुए कहा कि बाबा महाकाल की सवारी का जो इतिहास है वह काफी अद्भुत है। इसी दौरान जब सवारी के आने के पहले घुड़सवार दल और पुलिस बैंड,कडाबिन दल आया तो मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारे नगर की शान है और जब कड़ा बीन बजाते हैं तो दुश्मनों के दिल भी दहल उठते हैं,साथ ही यह संकेत भी है कि बाबा महाकाल प्रजा का हाल-चाल जानने के लिए आ गए हैं।

बदत्त अखाड़ा घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार

रामघाट के दूसरी तरफ दत्त अखाडा घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार किया गया। साथ ही कलाकार लक्ष्मी तलरेजा के द्वारा भगवान शिव पर आधारित भजन प्रस्तुत किए गए। भगवान श्री महाकालेश्वर की पालकी के रामघाट पहुंचने पर शंखनाद किया गया। इसके पश्चात विधिवत भगवान श्री महाकालेश्वर का पूजन अर्चन संपन्न करवाया गया और भगवान श्री महाकालेश्वर की आरती की गई। आरती के पश्चात भगवान श्री चंद्रमौलेश्वर स्वरुप में भक्तों का हाल जानने के लिए नगर भ्रमण पर निकले। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने भगवान श्री महाकालेश्वर का पूजन अर्चन कर प्रदेश की सुख समृद्धि और विकास की कामना की। इस दौरान उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, कैलाश विजयवर्गीय, अनिल जैन कालूहेड़ा, मुकेश टटवाल, संजय अग्रवाल एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सौतेले बेटों ने पिता को डंडे से पीटा, घायल

दरवाजे के विवाद में चचेरे भाइयों ने किया तलवार से हमला

उज्जैन। आज सुबह ग्राम हरसोदन में दरवाजे की बात को लेकर हुए विवाद में चचेरे भाइयों ने एक युवक पर तलवार से हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पंवासा थाना पुलिस के अनुसार रितिक पिता जितेंद्र सिसौदिया निवासी हरसोदन मकान निर्माण करवा रहा है। दरवाजे लगाने की बात को लेकर उसका चचेरे भाई शुभम, शुभम की पत्नी आशा बाई और छोटे भाई रोहित से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर तीनों ने मिलकर रितिक पर तलवार से हमला कर दिया। हमले में रितिक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। भैरुलाल पिता हेमराज पर रात 12 बजे के लगभग उनके सौतेले बेटों ने सिर पर डंडे से हमला कर घायल कर दिया। घायल भैरुलाल ने पुलिस को बताया कि उनके बेटे शिवम और प्रकाश मकान में हिस्सा देने का दबाव बनाते हैं। इसी बात को लेकर दोनों पुत्रों ने रात को विवाद किया। विवाद बढ़ने पर उन्होंने डंडे से सिर पर हमला कर दिया। भैरुलाल का यह भी कहना है कि उनके साथ ही घर में रह रहीं उनकी 80 वर्षीय मां कमल बाई को भी बेटों द्वारा खाना नहीं दिया जाता है। पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

दंपति दुर्घटना में घायल

उज्जैन। महेश्वर से कावड़ यात्रा में शामिल होकर उज्जैन आ रहे एक युवक के माता-पिता उससे मिलने के लिए बाइक से उज्जैन आए थे। मिलने के बाद माता-पिता बाइक से अपने घर लौट रहे थे। उसी दौरान उनकी बाइक को पीछे से आ रही ई-रिक्शा ने टक्कर मार दी। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जीवाजीगंज थाना पुलिस के अनुसार देपालपुर निवासी सुनील महेश्वर से कावड़ यात्रा में शामिल होकर उज्जैन आ रहा था। उससे मिलने के लिए उसके माता-पिता देपालपुर से बाइक पर सवार होकर उज्जैन पहुंचे थे। बेटे से मिलकर दोनों अपने घर लौट रहे थे। पीपलीनाका चौराहे पर उनकी बाइक को पीछे से आ रहे एक ई-रिक्शा चालक ने टक्कर मार दी।

डूब रही बालिका को एसडीआरएफ जवान ने बचाया

उज्जैन। जिला कमांडेंट संतोष जाट ने जानकारी दी कि गत दिवस रविवार को शाम 7 बजे के करीब जब रामघाट पर क्षिप्रा आरती चल रही थी। इस दौरान इंदौर निवासी एक श्रद्धालु अजय मिश्रा का परिवार रामघाट चौकी पर स्नान कर रहा था और इस दौरान उनकी एक 10 वर्षीय बालिका ज्योति एकाएक गहराई में चले जाने के कारण पानी में डूबने लगी। इसी दौरान घाट पर तैनात जवान सुरेश सोलंकी ने तत्परता दिखाकर पानी में गोता लगाकर डूब रही 10 वर्षीय बालिका ज्योति को सुरक्षित बाहर निकाला। इस बचाव कार्य में एसडीआरएफ जवान दीपक सोनी एवं सैनिक ईश्वर चौधरी की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। जिला कमांडेंट जाट ने बताया कि वर्तमान में श्रावण मास के चलते क्षिप्रा नदी पर श्रद्धालुओं की संख्या अत्यधिक है, इसे दृष्टिगत रखते हुए रामघाट पर डीजी रिजर्व, डिविजनल रिजर्व एवं एसडीआरएफ के जवानों की तैनाती की गई है। इस प्रकार रामघाट पर अतिरिक्त बल की तैनाती कर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था देकर श्रावण मास में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है, जिसके अंतर्गत जवानों द्वारा घाट पर सतत निगरानी एवं बोट के माध्यम से नदी में लगातार पेट्रोलिंग कर सुरक्षा प्रदान की जा रही है।

आज से उज्जैन जिले में आरंभ होगा सह दस्तक अभियान-डॉ. अशोक पटेल

उज्जैन। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने जानकारी दी कि शासन के निर्देशानुसार 22 जुलाई से उज्जैन जिले में भी सह दस्तक अभियान आयोजित किया जायेगा। जो 16 सितम्बर 2025 तक चलाया जायेगा।

एसआरएस 2021-22 के अनुसार, भारत में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु का 6.8 प्रतिशत कारण डायरिया है। यह आंकड़ा इस बात का स्पष्ट संकेत है कि डायरिया एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। विषय की गंभीरता को देखते हुए अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान साक्ष्य आधारित गतिविधियों पर केन्द्रित है जिसका प्रभाव प्रदेश में बाल मृत्यु दर में कमी के रूप में परिलक्षित हुआ है। अभियान में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशों को भी समाहित किया गया है। इस दौरान इन बच्चों में गंभीर कुपोषण, ऐनीमिया, निमोनियां, निर्जलीकरण, संक्रमण की पहचान त्वरित उपचार एवं आवश्यकतानुसार रेफरल के साथ-साथ उन्हें विटामिन ए घोल पिलाना, ओ.आर.एस. पैकेट, जिंक टेबलेट का वितरण सेवा प्रदायगी की जायेगी। प्रमुख सेवाएँ एवं गतिविधियाँ: निमोनिया व डायरिया की रोकथाम और प्रबंधन बाल्यावस्था में निमोनिया व डायरिया के लक्षणों की त्वरित पहचान एवं प्राथमिक प्रबंधन और सुसंगत रेफरल।

ओआरएस वितरण 5 वर्ष से कम सभी बच्चों को टेबलेट की संयुक्त किट का नि: शुल्क वितरण एवं सही उपयोग सुनिश्चित करने हेतु माताओं व परिजनों को प्रशिक्षण समझाइश प्रदान की जाएगी व गंभीर कुपोषण की पहचान और प्रबंधन 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में सक्रिय रूप से गंभीर कुपोषण की पहचान, चिन्हित बच्चों का त्वरित प्रबंधन एवं आवश्यकतानुसार निकटतम एनआरसी, सीएचसी, डीएच को रेफरल की जानकारी दी जाएगी।

मांडव में 23 जुलाई को होगी उज्जैन जिला टेंट हाउस एसोसिएशन की वार्षिक बैठक

उज्जैन। उज्जैन जिला टेंट हाउस एसोसिएशन की वार्षिक बैठक 23 जुलाई बुधवार को मांडव में आयोजित होगी।

एसोसिएशन के उज्जैन संभाग अध्यक्ष समीर उल्हक ओर उज्जैन जिला अध्यक्ष योगेश गोयल ने संयुक्त रूप से बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महासचिव राजेश हार्डिया एवं विशेष अतिथि इंदौर संभाग अध्यक्ष पवन जायसवाल होंगे। उज्जैन टेंट हाउस एसोसिएशन से संरक्षक कसान बोबल, संगठन सचिव, परामर्श दाता विनोद जायसवाल, प्रभाशंकर, प्रवक्ता कमल लालावत, सह प्रवक्ता दीपेश गोमे, संजय दलाल, मीडिया प्रभारी आशीष मालवीय, नंदू भैया मंडप वाले आदि सदस्यों ने सभी टेंट व्यवसायियों से अपील की है ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनायें। जानकारी प्रवक्ता कमल लालावत ने दी।

प्रथम आने पर शहर एक रोल मॉडल के रूप में उभरा है

उज्जैन। नगर निगम के सफाई मित्रों की मेहनत के फल स्वरुप हमारा उज्जैन शहर सुपर स्वच्छता लीग में नंबर वन आया है। इसी क्रम में सोमवार को वार्ड क्रमांक 49 के सफाई मित्रों का निगम अध्यक्ष कलावती यादव एवं पार्षद आभा कुशवाहा द्वारा सफाई मित्रों को पुष्पमाला पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया।

सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए निगम अध्यक्ष कलावती यादव द्वारा कहा गया कि उज्जैन के नागरिकों को सुपर स्वच्छता लीग का प्रथम पायदान निरंतर बना कर रखना है। इसके लिए शहर की जनता का जागरूक और जिम्मेदार होना अति आवश्यक है। यह सफाई व्यवस्था इसी प्रकार बनी रहे इसके लिए नगर निगम के सफाई मित्र दिन-रात मेहनत करते हैं। निगम के सफाई मित्रों की मेहनत के परिणाम स्वरूप हमें सुपर स्वच्छता लीग में प्रथम पुरस्कार मिला है। दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित मुख्य समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा उज्जैन शहर का 03 बार वर्णन किया गया है कि किस प्रकार सफाई मित्रों के सम्मेलन में सफाई मित्रों को सम्मानित किया गया एवं महाकाल मंदिर में श्रमदान किया गया यह हमारे उज्जैन शहर के लिए गौरवपूर्ण विषय है। इस दौरान मंडल अध्यक्ष परेश कुलकर्णी, कैलाश पांचाल, मधुकर राव, अनिल शिंदे, अनिल अग्रवाल, केसर सिंह, सतीश गोयल, आनंद वर्मा, किशोर वर्मा एवं वार्ड क्रमांक 49 के सफाई मित्र उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री लौटे यात्रा से — **दुबई और स्पेन के निवेशक मध्यप्रदेश में निवेश के लिए उत्साहित हैं**

दुबई और स्पेन की यात्रा मध्यप्रदेश के लिए खोलेगी विकास के नए द्वार

नवभारत न्यूज

उज्जैन। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उनकी दुबई और स्पेन की यात्रा मध्यप्रदेश में विकास के नए द्वार खोलेगी। दुबई और स्पेन के निवेशक मध्यप्रदेश में निवेश के लिए उत्साहित हैं। इस यात्रा से मध्यप्रदेश को 11 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इससे पूर्व भी जर्मनी, जापान और यूके आदि की यात्रा के दौरान वहां से मध्यप्रदेश में निवेश के लिए बड़े प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। मध्यप्रदेश में निरंतर देश-विदेश से आ रहे निवेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने में सहायक होंगे। यह अत्यंत आनंद का विषय है कि मध्यप्रदेश वैश्विक निवेश का केंद्र बन रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को दुबई और स्पेन की यात्रा से लौटने पर स्टेट हैंगर भोपाल में आयोजित कार्यक्रम एवं मीडिया संवाद में यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की स्पेन और दुबई यात्रा में 11 हजार 119 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं जिससे 14 हजार से अधिक व्यक्तियों को रोजगार भी प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गरीब से गरीब व्यक्ति की जिंदगी बदलना आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसके लिए भरसक प्रयत्न कर रहे हैं। गरीब, युवा, महिला, किसान सभी वर्गों को साथ लेकर विरासत सहेजने से लेकर विकास की गति बढ़ाने का दृढ़ संकल्प है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी नागरिकों से प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए संकल्पित रहने को कहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि भारत सरकार ने भारत-स्पेन सांस्कृति सहयोग वर्ष की घोषणा की है। इस नाते उनकी स्पेन यात्रा अधिक प्रासंगिक हो गई है। इस वर्ष में अन्य गतिविधियों के साथ मध्यप्रदेश में स्पेन के कला और सांस्कृतिक जगत के प्रतिनिधियों और कलाकारों के मंचीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

प्रदेश में 20 वर्ष में बदला वातावरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में गत दो दशक विकास के दशक रहे हैं। वर्ष 2002-03 तक प्रदेश की विभिन्न क्षेत्रों में जो स्थिति रही उसमें निर्णायक परिवर्तन आया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिछले 20 वर्षों के कार्यकाल को मध्यप्रदेश के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इन वर्षों में नागरिकों को यह अनुभव करवाया गया है कि सरकार क्या होती है। देश में गुजरात के बाद मध्यप्रदेश ऐसा राज्य होगा जो प्रधानमंत्री के विकसित भारत के स्वप्न को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। जहां गुजरात में मोदी ने सरदार सरोवर परियोजना में सबसे बड़े बांध को पूर्ण करवाकर राष्ट्र को समर्पित किया।